OCCUPATIONAL SAFTEY & HEALTH !!!

As defined by the World Health Organization (WHO) "occupational health deals with all aspects of health and safety in the workplace and has a strong focus on primary prevention of hazards.

जैसा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा परिभाषित किया गया है "व्यावसायिक स्वास्थ्य कार्यस्थल में स्वास्थ्य और सुरक्षा के सभी पहलुओं से संबंधित है और खतरों की प्राथमिक रोकथाम पर एक मजबूत ध्यान केंद्रित करता है

PART 1

For ALP CBT 2

DEATIL se padhe, hamare WEBSITE pe….
.pdf ke liye VIDEO DKHTE RAHE !!!

ENGINEERING DRAWING .pdf ALSO in collab with Focus Study Abhi Channel

https://ntaexamresults.com **(CHECK IN DESCRIPTION)**

Health has been defined as "a state of complete physical, mental and social well-being and not merely the absence of disease or infirmity.

स्वास्थ्य को "पूर्ण शारीरिक, मानसिक और सामाजिक कल्याण की अवस्था के रूप में परिभाषित किया गया है और यह केवल बीमारी या दुर्बलता की अनुपस्थिति नहीं है।

(OCCUPATIONAL HEALTH) व्यावसायिक स्वास्थ्य स्वास्थ्य संबंधी एक बहु-विषयक क्षेत्र है जो किसी व्यक्ति को अपना व्यवसाय करने में सक्षम बनाता है। जिस तरह से उनके स्वास्थ्य को कम से कम नुकसान पहुंचाता है। स्वास्थ्य को इसके विपरीत परिभाषित किया गया है, उदाहरण के लिए, काम पर स्वास्थ्य और सुरक्षा को बढ़ावा देने के साथ, जो किसी भी आकस्मिक खतरों से नुकसान को रोकने के साथ संबंधित है, कार्यस्थल में उत्पन्न होने वाली

"व्यावसायिक स्वास्थ्य (OCCUPATIONAL HEALTH) में मुख्य ध्यान तीन अलग-अलग उद्देश्यों पर है:

(i) श्रमिकों के स्वास्थ्य और कार्य क्षमता के रखरखाव और संवर्धन;

(ii) काम के माहौल में सुधार और सुरक्षा और स्वास्थ्य के अनुकूल बनने के लिए काम करना और

(iii) विकास कार्य संगठनों और कार्यशील संस्कृतियों को एक दिशा में जो काम पर स्वास्थ्य और सुरक्षा का समर्थन करता है और ऐसा करने में एक सकारात्मक सामाजिक जलवायु और सुचारू संचालन को बढ़ावा देता है और उपक्रमों की उत्पादकता बढ़ा सकता है

"किसी भी ट्रेड की सफलता और प्रगति सुरक्षित कार्य क्षेत्र तथा उत्तम स्वास्थ्य पर निर्भर करती है ।"

Causes Of Accident (दुर्घटना के कारण)

1. कार्य के प्रति गंभीर न होना |
2. Safety के प्रति लापरवाह होना |
3. Tools का सही प्रयोग न करना |
4. Safety Symbol का पालन न करना|

खतरे और इसके प्रकार: खतरा कोई भी अभ्यास, व्यवहार, स्थिति अथवा इनका संयोजन है जो लोगों की चोटों अथवा बीमारियों अथवा संपतियों के नुकसान का कारण बन सकता है।

- सामग्री संचालन खतरे:- शारीरिक सामग्री संचालन में उठाना, ले जाना, कम करना, धक्का देना और खींचना शामिल हो सकते हैं। ये सभी गतिविधियां मांसपेशी विकृतियों, आंसुओं और पीठ, कंधे, बाहों और पेट में खिचांव उत्पन्न कर सकती है। संक्षारक, ज्वलनशील और प्रतिक्रियाशील जैसी खतरनाक सामग्रियों का संचालन भी एक प्रमुख क्षेत्र है।
- मशीनी खतरे:- कोई भी मशीन खतरा पैदा कर सकती है, लेकिन विशेषकर जिन मशीनों के कार्यरत भाग मजदूर के कपड़ों में फंस सकते हैं अथवा उसके शरीर के संपर्क में आते हैं, वे अधिक खतरा पैदा कर सकती हैं।
- ऊर्जा खतरे:- उपकरणों का समायोजन अथवा रखरखाव करते समय मशीन घटकों के आकस्मिक संचालन, बिजली के झटके अथवा ऊर्जा के अन्य विकिरणों के द्वारा मजदूर गंभीर रूप से घायल हो सकते हैं।
- कार्य अभ्यास खतरे:- सुरक्षित कार्य अभ्यासों का सफलतापूर्वक अनुसरण न करना चोटों का एक महत्वपूर्ण कारण होता है। स्थापित सुरक्षित कार्य प्रक्रियाओं के अनुसार सुरक्षित रूप से कार्य करना, सुरक्षा खतरों के नियंत्रण में एक मौलिक तत्व है।

- शारीरिक खतरे:- शारीरिक खतरे, ऊर्जा के रूप होते हैं जो शरीर को नुकसान पहुँचा सकते हैं।
- **रासायनिक खतरे**: रासायनिक खतरे ठोस, तरल पदार्थ, वाष्प, गैस, धूल और धुएं का रूप ले सकते हैं।
- **जैविक खतरे**: जैविक खतरे, सजीव वस्तुओं अथवा सजीव वस्तुओं द्वारा उत्पादित पदार्थ हैं जो मनुष्यों में बीमारी उत्पन्न कर सकते हैं।
- **अर्गोनॉमिक अथवा कार्य डिजाइन खतरे**: अर्गोनॉमिक खतरे, डिजाइन और काम के संगठन से उत्पन्न होते हैं। यह मनुष्य की मांसपेशीय प्रणाली में खिचांव और मांसपेशियों, टेंडन, जोड़ों, अस्थि बंधन, तंत्रिकाओं और रक्त धमिनियों में अधिक कार्यभार उत्पन्न कर शरीर को नुकसान पहुँचा सकते हैं।
- **तनाव अथवा मनोसामाजिक खतरे**: कार्यस्थल का तनाव, अधिक तनाव अथवा परेशानी का कारण बन सकता है और इसे हृदय संबंधी और उच्च रक्तचाप जैसी कई प्रकार की बीमारियों के महत्वपूर्ण कारक के रूप में पहचाना गया है।